सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, बुधवार, 23 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 117, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

करारा देंगे जवाबः रक्षा मंत्री

इनसाइड कंपोजिट स्कूल हिंदूपुर में स्मार्ट क्लास की सौगात... » Pg04

» Pg12

सेना प्रमुखों संग रक्षामंत्री की हाईलेवल मीटिंग

भारत में धधक रही इंतकाम की ज्वाला

बोले पीएम मोदी- उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा, आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग

पहलगाम आतंकी हमला

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो विदेशी पर्यटकों सहित 28 लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना में 20 लोग घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर- ए-तैयबा के हिट स्क्वॉड द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने मोर्चा संभाल लिया है और मंगलवार से सर्च ऑपरेशन जारी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में सभी स्कूल-कॉलेज आज बंद रखे गए है। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के साथ बैठक करके जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने बुलाई आपात कैबिनेट बैठक

पहलगाम आतंकी हमले पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आपातकालीन कैबिनेट बैठक बुलाई। इस बैठक में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों, गृह विभाग, पर्यटन विभाग और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे जम्मू-कश्मीर की शांति और पर्यटन पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने कहा, यह हमला हमारे शांतिपूर्ण प्रयासों को विफल करने की साजिश है। आतंकवाद के इस कायराना हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख देने की घोषणा

जम्मू-कश्मीर सीएमओ ने मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। कल पहलगाम में हुए घृणित आतंकवादी हमले से गहरा सदमा लगा है और बहुत दुखी हूं। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ़ क्रूरता का यह बर्बर और मूर्खतापूर्ण कृत्य हमारे समाज में कोई स्थान नहीं रखता। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम खोए हुए अनमोल जीवन पर शोक व्यक्त करते हैं। कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

तीन आतंकियों के स्केच जारी

हमले में शामिल कुल सात आतंकवादियों में से चार ने प्रत्यक्ष रूप से हमला किया, जबकि तीन अन्य बैकअप में थे। सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों के स्केच के साथ-साथ एक ग्रुप फोटो भी जारी की है, जिसके आधार पर उनकी तलाश तेज़ कर दी गई है।

हमले वाली जगह पर पहुंचे अमित शाह, दी श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को सीधे घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने श्रीनगर में सबसे पहले पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

शाह ने श्रीनगर पहुंचते ही हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और अस्पताल में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने पहलगाम जाकर ग्राउंड जीरो से हालात का जायजा लिया और सुरक्षा एजेंसियों से एक्शन प्लान की जानकारी ली।

आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है - जिसमें पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बल के जवान शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो सऊदी अरब की राजकीय यात्रा बीच में छोड़कर आज सुबह दिल्ली लौटे हैं, ने हमले की निंदा की है और दोषियों को सजा दिलाने की कसम खाई है। कल रात एक्स पर एक भावुक पोस्ट में मोदी ने कहा, इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है।

डरे सैलानी लौट रहे घर

भीषण आतंकी हमले ने सैलानियों के दिलों में डर बसा दिया है। इस हमले में 26 मासूम जानें चली गईं, दर्जनों जख्मी हुए, और एक बार फिर से घाटी की फिजाओं में मातम घुल गया। हमले के बाद से ही कश्मीर घूमने आए पर्यटक डरे हुए हैं और जल्द से जल्द अपने घर लौटना चाहते हैं। लेकिन इस असहनीय दर्द के बीच सबसे पर्यटकों को सबसे बड़ी मुश्किल घर लौटने की है। हालांकि, सिविल एविएशन मंत्रालय की तरफ से किराया कम करने अनुरोध के बाद भी श्रीनगर से उड़ान भरने वाली फ्लाइट का किराया आसमान छू रहा है। ऑनलाइन वेबसाइट्स पर कई टिकट्स तो पूरी तरह सोल्ड आउट हो चुके हैं।

संबंधित खबरें पृष्ठ 12 पर..

पहलगाम हमलाः यूपी में हाई अलर्ट

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए हाई अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश के सभी संवेदनशील जिलों, अन्य राज्यों के सीमावर्ती जिलों में आतंकी व अन्य संगठनों की गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी जाये।

सीएम योगी ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद घटना पर शोक जताते हुए कहा पहलगाम में हुए इस कायरतापूर्ण हमला अक्षम्य और घोर निंदनीय है उन्होंने दुःख की घडी में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति शोक संवेदनाएं जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवगंत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ्य लाभ प्रदान करें।

खुफिया एजेंसियों के पास थे पहलगाम हमले के इनपुट, फिर दिनदहाड़े कैसे हुआ 28 बेकसूर लोगों का नरसंहार?

जम्मू-कश्मीर का पहलगाम अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए जाना जाता है। लेकिन 21 अप्रैल को आतंकवादियों ने इस शांति को भंग करते हुए दिनदहाड़े 28 लोगों का नरसंहार किया। हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले बैसारन घास के मैदान में घुस आए। उन्होंने रेस्टोरेंट के आसपास घूम रहे, टट्टू की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे तथा नजारों का आनंद ले रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस भीषण हमले ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खुफिया एजेंसियों को पहले से इस हमले की सूचना थी, फिर भी आतंकियों ने अपनी साजिश को अंजाम कैसे दे दिया? क्या यह खुफिया तंत्र की विफलता थी, या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है?

धरती के प्रति सबको समझनी होगी जिम्मेदारी

» विश्व पृथ्वी दिवस पर धरती के प्रति चिंतन व मंथन कर लिया कर्तव्य पालन का संकल्प

» पब्लिक वेलफेयर ऐसोसिएशन करेगा लोगों को जागरुक, बोले धरती को मां मानते हैं तो निभाएंगे कर्तव्य

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। धरती का ताप लगातार बढता जा रहा है। भूगर्भ जल निचले स्तर पर जा पहुंचा है। बढते शहरीकरण से खेत खलिहान उजड चूके हैं और पेडों की कटाई चरम पर है। वाहनों क बढती संख्या शहरों में दमघोंटू वातावरण बना रही हैं। ऐसे में धरती की रक्षा के लिए शहर की पब्लिक वेलफेयर ऐसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) ने विश्व पृथ्वीदिवस के मौके पर गहन चिंतन और मंथन किया।

मंगलवार को पुराना शिवली रोड कल्यानपुर स्थित पीडब्ल्यूए मुख्यालय पर विश्व पृथ्वीदिवस के मौके पर एक चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान आमंत्रित वक्ताओं ने अपना विचार रखे। गोष्ठी का प्रसारण लाईव डिजिटल कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी किया गया। जिससे दूर दराज से भी लोग जुडकर धरती के प्रति अपनी चिंता व्यक्त कर सके। वक्ताओं ने कहा कि यदि हम धरती को मां मानते हैं तो धरती मां के प्रति हम सबको अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

पेडों को बचाना प्रमुख जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण कर धरती मां की सुन्दरता का श्रंगार करना है। बेतरतीब खनन धरती मां के शरीर पर घाव देने जैसा है। इसे रोकना होगा। भूगर्भ जल के दोहन और बरबादी पर लगाम कसनी होगी। पीडब्ल्यूए महासचिव पंकज कुमार सिंह ने कहा कि केवल चिंतन करने और अभिव्यक्ति जाहिर करके धरती के लिए क्रांति नहीं लाई जा सकती है।

धरती के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए दिखना भी चाहिए और जागरुकता के प्रयास सार्थक स्तर पर होने चाहिए। यह सामूहिक प्रयास का मामला है। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ स्वयंसेवी शैलेन्द्र कुमार सचान ने की। इस दौरान प्रदीप सिंह, अधिवक्ता राजेन्द्र वर्मा, विपिन पटेल आदि ने प्रमुख तौर पर अपने विचार रखे।

अर्थ डे पर किया एनवायरमेंटल कंजर्वेशन का प्रदर्शन

» आरपीएस गौरव स्कूल के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

» प्रधानाचार्या ने बच्चों को पर्यावरण बचाने के लिए किया प्रेरित

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल, मकनपुर में मंगलमय अर्थ डे का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने एनवायरमेंटल इश्यूज पर अपनी गहरी समझ और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने 'पोस्टर मेकिंग' प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनके पोस्टरों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट, बायोडायवर्सिटी, और इकोलॉजिकल बैलेंस, जैसे विषयों को कलात्मक रूप से दर्शाया गया। इन प्रस्तुतियों ने क्लाइमेट एक्शस की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्कूल की प्राचार्या लकी जैन ने छात्रों को अर्थ डे के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को अर्थ डे इसलिए मनाया जाता है ताकि लोगों को हमारी पृथ्वी के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का एहसास हो और वे पर्यावरण को बचाने के लिए एकजुट होकर काम करें। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत छात्रों ने पृथ्वी और प्रकृति के महत्व पर आधारित मनमोहक सॉन्ग और नृत्य परफॉर्मेंस दीं। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पृथ्वी को स्वच्छ और हरा-भरा रखने का संकल्प लिया। इस दौरान स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री का कानपुर दौरा स्थगित

पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में जगह-जगह हुआ प्रदर्शन,

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उत्तर प्रदेश में जगह-जगह विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की और वारदात में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बृहस्पतिवार को होने वाला कानपुर का दौरा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उपजी परिस्थितियों के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी विभिन्न जिलों में अपने तमाम कार्यक्रम निरस्त कर दिये।

कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री को बृहस्पतिवार को कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत निर्मित मार्ग तथा कई अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करना था, लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के बाद पैदा हुए सूरतेहाल को देखते हुए उनका यह दौरा स्थगित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कानपुर के जिला मजिस्ट्रेट और उच्च अधिकारियों को आधिकारिक सूचना दे दी गई है। अपर पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) रघुबीर लाल ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर प्रधानमंत्री का दौरा स्थगित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी को अपने कानपुर दौरे के दौरान चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक सात किलोमीटर इलाके में फैली दूसरे चरण की कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के साथ-साथ 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करना था। पहलगाम हमले के विरोध में पूरे उत्तर प्रदेश में नाराजगी और रोष व्याप्त है। लखनऊ, उन्नाव और झांसी समेत कई शहरों में भाजपा की इकाइयों ने पीड़ितों के सम्मान में बुधवार को अपने निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए। संत कबीर नगर में बार एसोसिएशन ने पहलगाम की घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया और इसमें लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष शशि कुमार ओझा ने अधिवक्ताओं से न्यायिक कार्य बंद रखने की अपील करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषी लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की। वकीलों ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। शाहजहांपुर में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल और जोरदार जवाबी कार्रवाई की मांग की। वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ

मंदिर के अधिकारियों ने शोक में दीप जलाए और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए रुद्र पाठ का आयोजन किया। स्थानीय लोगों ने हनुमान मंदिर में भी दीप जलाए और प्रधानमंत्री से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। हापुड़ की भाजपा इकाई ने शोक सभा आयोजित की। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इकाई ने अपने पश्चिमी क्षेत्र सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया।

जिला अध्यक्ष नरेश तोमर ने हमले की निंदा की और पाकिस्तान की कथित भूमिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया। हाथरस में हिंदू जागरण मंच ने भी शहीद भगत सिंह स्मारक पर विरोध प्रदर्शन किया, आतंकवादियों का पुतला जलाया और उनसे सख्ती से निपटने की मांग की। मेरठ में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पीड़ितों के सम्मान में मोमबत्ती जलाने और शांति मार्च सहित अलग-अलग श्रद्धांजलि कार्यक्रमों की घोषणा की। अलीगढ़ में जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने इस हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हुए इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया और देश भर में पढ़ रहे जम्मू-कश्मीर के छात्रों से शांत रहने और अनावश्यक सार्वजनिक उपस्थिति या राजनीतिक बहस से बचने का आग्रह किया। उन्होंने आतंकवादी हमले के बाद किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में छात्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए।

पहलगाम हमले में मारे गए शुभम के पिता से मुख्यमंत्री योगी ने की बात, दिया न्याय दिलाने का आश्वासन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मृत कानपुर के शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जनपद कानपुर के शुभम द्विवेदी जी का निधन अत्यंत दुखद है।

उन्होंने शुभम के पिता संजय द्विवेदी से फोन पर बात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और इस दुख की घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

सीएम योगी ने प्रदेश के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शुभम द्विवेदी के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके गृह जनपद कानपुर पहुंचाया जाए। उन्होंने प्रभु श्री राम से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार शुभम के परिवार के साथ पूरी तरह से खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है।

बता दें कि पहलगाम हिंसा में आतंकवादियों की गोली का शिकार हुए शुभम द्विवेदी के घर शोक का माहौल है।

अभी 2 महीने पहले ही 12 फरवरी को उनकी शादी हुई थी। मंगलवार को पहलगाम में आतंकियों ने शुभम को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी। शुभम के पिता संजय द्विवेदी सीमेंट के कारोबारी हैं।

कंपोजिट स्कूल हिंदूपुर में स्मार्ट क्लास की सौगात से चहके बच्चे

विधायक राहुल बच्चा और ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेई ने फीता काट किया उद्घाटन

कंपोजिट स्कूल हिंदूपुर में स्मार्ट टीवी को निहारते विधायक राहुल बच्चा और ब्लॉक प्रमुख शुभम् बाजपेई आदि।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद प्रतिभाशाली बच्चे अतिथियों के साथ

» प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत कर किया गया सम्मानित

» ग्राम प्रधान की पहल से स्कूल की व्यवस्थाओं में हुआ इजाफा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। संविलयन विद्यालय हिंदूपुर में क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा एवं ब्लाक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेई ने तकनीकी शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास का फीता काट कर उद्घाटन किया। और विद्यालय में पहले से चल रही कम्प्यूटर शिक्षा एवं प्रोजेक्टर द्वारा स्मार्ट क्लास का निरीक्षण कर बच्चों से जानकारी ली। और उससे संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों ने विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को विधायक एवं ब्लाक प्रमुख ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

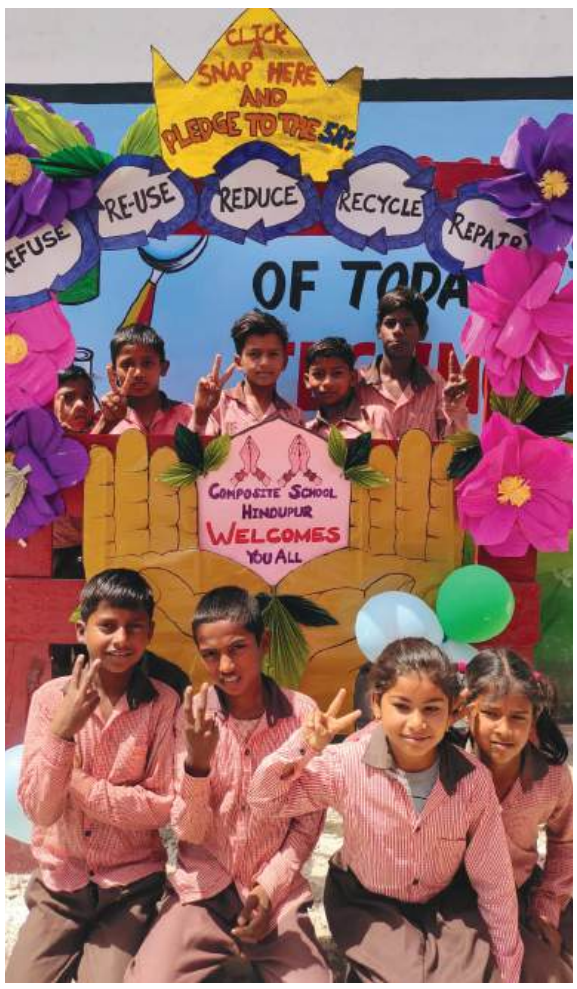

पुरस्कार प्राप्त करते बच्चे।

विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित ने सभी अतिथियों का स्वागत कर मुख्य अतिथि से विद्यालय में ठण्डे पानी की मशीन लगवाने एवं विद्यालय में टीन शेड लगवाने तथा गांव में लक्ष्मन के दरवाजे से नरैहा तालाब तक सड़क बनवाने की मांग रखी। अतिथियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। स्मार्ट क्लास एवं तकनीकी शिक्षा प्रारंभ होने से बच्चों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

इस मौके पर अनुराग दुबे, अनिरूद्ध सिंह, कार्तिकेश्वर दीक्षित, राजेन्द्र दीक्षित, शिवशंकर बाजपेई,सुशील दीक्षित, ओम जी द्विवेदी, मिथलेश चौरसिया, , प्रगति रघु सक्सेना, शशिकला शुक्ला, राजेन्द्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, प्रवीण शुक्ला, दीपू मिश्रा, आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सब्सिडी मॉडल ना करेगा पंजाब का

सही मायनों में हमें हर किसी मुफ्त चीज की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही सिद्धांत किसी देश व राज्य की अर्थव्यवस्था पर भी लागू होता है। लोकलुभावन राजनीति के चलते वोट जुटाने के लिये जिन मुफ्त की योजनाओं को पंजाब में लागू किया गया, उसने राज्य की तरक्की की गति को कुंद ही बना दिया है। वैसे भी देखा जाए तो किसानों को लुभाने के लिये पंजाब में जो मुफ्त बिजली का खेल खेला गया था, वह कृषि के विकास में सहायक साबित नहीं हो रहा है। सही मायनों में यह लोकलुभावन दांव जड़ता का प्रतीक बनकर रह गया है। वर्ष 1997 में छोटे किसानों के लिये लिए शुरू किया गया बिजली सब्सिडी खेल, महज वोट बटोरने का साधन बनकर रह गया है। सच बात तो यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसी मुफ्त की सुविधाओं को, वोट कटने की आशंका के चलते बंद करने का जोखिम भी नहीं उठाता। यह विडंबना ही है कि जिस धन को कृषि की तरक्की, ऊर्जा के बेहतर उपयोग तथा सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े संरचनात्मक विकास के लिये खर्च किया जाना चाहिए था, उसे सब्सिडी के रूप में व्यय किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि यह सब्सिडी राज्य की वित्तीय सेहत के लिये घातक साबित हो रही है। विडंबना यह है कि इस वित्तीय वर्ष में बिजली सब्सिडी पर होने वाला व्यय करीब साढ़े बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक होने वाला है। चिंता की बात यह भी है कि यह धनराशि पंजाब के पूरे बजट का दस फीसदी के करीब बैठती है। इस सब्सिडी की राशि में से दस हजार करोड़ रुपये कृषि क्षेत्र के लिये और सात हजार छह सौ करोड़ रुपये घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिये निर्धारित हैं। आश्चर्य की बात यह है कि लोगों को लुभाने के लिये दी जा रही सब्सिडी की यह राशि अब राज्य के राजस्व घाटे के बराबर हो गई है।

इसके बावजूद यह स्थिति यदि राज्य के नीति-नियंताओं को विचलित नहीं करती है, तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि राज्य में मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का काम सभी राजनीतिक दलों की सरकारों ने पार्टी लाइन से हटकर हर दौर में किया। घाटे की अर्थव्यवस्था को प्रश्रय देने वाली इस नीति को न केवल जारी रखा, बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया । वे मुखर कृषि लॉबी के दबाव में लगातार झुकते रहे। राजनेता दूरगामी व समग्र सुधार के बजाय मुफ्त में पैसे बांटकर चुनावी लाभ हासिल करने की होड़ में जुटे रहे। वहीं आप सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं के लिये तीन सौ यूनिट तक की बिजली मुफ्त करने से सब्सिडी का संकट और गहरा ही हुआ है। करीब नब्बे प्रतिशत तक परिवारों का बिजली बिल शून्य है। ऐसे में बिजली बचत या उपयोग की गई बिजली का भुगतान करने को प्रोत्साहन लगभग समाप्त हो गया है। अब तो पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की स्थिति में भी नहीं है। इतना ही नहीं पीएसपीसीएल दो हजार करोड़ रुपये की वार्षिक बिजली चोरी की चुनौती से भी जूझ रहा है।

जन सरोकारों की प्रतिबद्धता हो शासन का लक्ष्य

गुरबचन जगत

विकास, न्याय व जनकल्याण के लिए बढ़िया शासन व्यवस्था के लिए प्रभावशाली और ईमानदार अधिकारियों की ज़रूरत होती है। पंजाब में राजनीतिक नेतृत्व को 'वेरका', पीटीएल जैसे शुरुआती संस्थानों की स्थापना में काबिल अफसरशाही का साथ मिला। दरअसल कई अफसर मिसाल बने। जिनकी कार्यप्रणाली अधिकारों के बेहतर इस्तेमाल, जवाबदेही, निगरानी व जमीनी नजरिये मेरे अनुभव के मुताबिक बढ़िया शासन के लिए पैसे की ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए फ़ील्ड और मुख्यालय में प्रभावशाली और ईमानदार अधिकारियों की ज़रूरत होती है। ऐसे लोग होते हैं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं दिया जाता और धीरे-धीरे शीर्ष पर बैठे लोगों की हर कही बात को मान जाने वाले अफसर उनकी आंख के तारे बन जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ़ मेरी एकमात्र शिकायत यह है कि वे खुलकर अपना अधिकार इस्तेमाल नहीं करते, काम की निगरानी नहीं करते, जितना व्यावहारिक दृष्टिकोण होना चाहिए, उतना रखते नहीं।

शासन चलाना कोई एक दिन का मामला नहीं है, न ही यह कोई क्षणिक काम है, यह कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं है, यह कोई बहुत बड़ा विज्ञापन नहीं है, यह केवल विज्ञापनों के माध्यम से तमाम त्योहार मनाना नहीं है। यह दिन-प्रतिदिन की मेहनत है, यह दिन-रात किए जाने वाला थकाऊ काम है। इसके तहत आपको सौंपा गया काम करना है और इसे आपने उपलब्ध साधनों से पूरा करना है। यह सुनिश्चित करना कि लोगों को (जिनके कामों के लिए हम बने हैं) सुनवाई के लिए एक जगह से दूसरी जगह न भटकना पड़े। यह सुनिश्चित करना कि फाइलें बिना किसी रिश्वत के खुद-ब-खुद आगे बढ़ें। ऐसा करने की कोशिश करें और लोगों के चेहरों पर संतुष्टि पाएं (हालांकि उन्हें उनका हक देकर आप उन पर अहसान नहीं करेंगे) - हां आपने उन्हें 'न्याय और विकास' जरूर दे दिया।

वे इलाके से आपके जाने के बाद भी लंबे समय तक आपको याद रखेंगे, लेकिन अधिकांशतः आपका काम गुमनाम और दिखने में सामान्य ही होगा, जैसे किसी सुचारू मशीन के कलपुर्जेज मर्सिडीज़ चलाते समय उसका इंजन नहीं दिखता, लेकिन इसको चलाने या सफर का अहसास शानदार होता है। तथ्यों-नियमों के अनुसार न्याय करें और विकास परियोजनाओं को नियमानुसार समय पर पूरा करने में मदद करें। कई अवसरों पर आपकी नौकरी आपको उन परियोजनाओं या घटनाओं का हिस्सा बनने और उनमें योगदान देने का मौका देती है, जो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं। ऐसे कई नाम हैं जो हमारी आज़ादी के शुरुआती सालों का हिस्सा थे कदाचित? ये स्वतंत्र भारत के इतिहास के कद्दावर उदाहरण हैं, लेकिन ये ऐसी मिसालें हैं जिन्होंने हमारे प्रारंभिक वर्षों में हमें प्रेरित किया, और वे अकेले नहीं थे। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों के काबिल और काफी प्रेरित अधिकारियों एवं टीम का साथ प्राप्त था। बिना कोई सुरक्षा कवच प्राप्त मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के नेतृत्व में पंजाब रेजिमेंट की 23वीं बटालियन की 'ए' कंपनी ने अत्यंत भारी पाकिस्तानी हमले (दो टैंक रेजिमेंट) के बावजूद जिस तरह रातभर डटे रहकर लोंगेवाला चौकी को बचाए रखा, उसे सदा भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और व्यावसायिकता के लिए याद रखा जाएगा।जब मैं पुलिस सेवा में आया तो प्रशासनिक कार्यों में दौरे और नियमित निरीक्षण करना काम का एक अहम हिस्सा थे। तब अधिकारी बहुत छोटी टीमों के साथ काम किया करते थे और बहुत कम या लगभग नगण्य तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र का प्रशासन संभाल लिया ।

राष्ट्रीय संस्कृति-संवेदनशीलता की संवाहक पुस्तकें

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट

योगेश कुमार गोयल

निःसंदेह, पुस्तकें किसी भी समाज की संवेदनशीलता, उसकी सोच, उसकी परंपराओं और उसकी आत्मा की संवाहक होती हैं। वे हमारे विचारों को दिशा देती हैं, नैतिकता की ओर प्रेरित करती हैं और आत्ममंथन की प्रक्रिया को जीवंत बनाए रखती हैं।आज के डिजिटल युग में, जब सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स और त्वरित सूचना के स्रोत हमारे चारों ओर फैले हुए हैं, ऐसे समय में किताबों की प्रासंगिकता और उनके महत्व को नए सिरे से समझना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। 23 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' न केवल पुस्तकों के महत्व की याद दिलाता है, बल्कि यह दिन हमें यह सोचने को भी विवश करता है कि पुस्तकें क्यों हमारे जीवन का अविभाज्य हिस्सा बनी रहनी चाहिए। पुस्तकों का संसार एक ऐसा अद्भुत संसार है, जो न केवल ज्ञान देता है, बल्कि भावनाओं, विचारों और कल्पनाओं को भी नई रोशनी प्रदान करता है।

यूनेस्को द्वारा 1995 में शुरू किया गया यह दिवस लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों को एक साझे मंच पर लाकर पुस्तकों के संरक्षण और उनके प्रचार-प्रसार की दिशा में वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल, यह दिन विश्वप्रसिद्ध साहित्यकार विलियम शेक्सपियर, मिगुएल दे सर्वांतेस तथा स्पेनी लेखक इंका गार्सिलासो दे ला वेगा की पुण्यतिथि का प्रतीक है। यह दिन इस

विचार से जुड़ा है कि पुस्तकें किसी देश अथवा भाषा तक सीमित न रहकर विश्व सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा होती हैं। आज जब सूचना के स्रोतों की भरमार है, तब पुस्तक पढ़ने की संस्कृति तेजी से क्षीण होती जा रही है। बच्चों से लेकर युवाओं और वयस्कों तक, हर कोई डिजिटल उपकरणों से इतना जुड़ गया है कि पुस्तकों को समय देना अब एक 'पुरानी आदत' मानी जाने लगी है।

विश्व पुस्तक दिवस का उद्देश्य लोगों में पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाना, लेखकों और प्रकाशकों को वैश्विक सम्मान देना, कॉपीराइट जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूकता फैलाना और पढ़ने की आदत को जीवन का हिस्सा बनाना है।

यह सर्वविदित है कि पढ़ना न केवल ज्ञानार्जन का माध्यम है, बल्कि यह ध्यान केंद्रित करने, सोचने की क्षमता बढ़ाने, कल्पनाशीलता को विकसित करने और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को सुदृढ़ करने में भी सहायक है। जब हम किसी पुस्तक के पन्ने पलटते हैं, तो हमारा मस्तिष्क लेखक की कल्पनाओं में प्रवेश करता है, चरित्रों से जुड़ता है और किसी कथा को गहराई से समझने का प्रयास करता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क की उन क्षमताओं को विकसित करती है, जो यंत्रवत सूचना को केवल ग्रहण करने से नहीं हो सकतीं।

इस विषय में विभिन्न न्यूरो-साइकोलॉजिकल शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि नियमित रूप से पुस्तक पढ़ने वाले बच्चों की स्मरण-शक्ति, संज्ञानात्मक कौशल और भाषा दक्षता, उन बच्चों की तुलना में कहीं बेहतर होती है, जो अधिकांश समय स्क्रीन पर बिताते हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति के गिरते ग्राफ को लेकर सबसे बड़ी चिंता यह है कि देश की बहुसंख्यक युवा आबादी की पढ़ने की आदत तेजी से घट रही है। अध्ययन बताते हैं कि औसतन एक भारतीय प्रति वर्ष केवल दो या तीन किताबें ही पढ़ता है। यह संख्या विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

आगरा पहुंचे अमरीकी उपराष्ट्रपति वेंस, ताजमहल का किया दीदार

मुख्यमंत्री योगी ने किया स्वागत, दोपहर में ही वापस लौटेंगे पिंकसिटी

» जौनपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस आगरा पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने एयरपोर्ट पर ही जेडी वेंस का स्वागत किया। अमरीकी उप राष्ट्रपति ने परिवार के साथ ताज का दीदार किया। वेंस ने अपनी पत्नी उषा और बच्चों के साथ बैठकर फोटो भी खिंचवाई। जेडी वेंस के आगमन के दौरान खेरिया से ताजमहल तक के रूट पर हाई अलर्ट घोषित किया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों के साथ खुफिया विभाग की नजर है। 12 किलोमीटर तक के रूट पर करीब एक बजे तक आवागमन बंद रहेगा। हर कट पर बैरिकेडिंग के लगाई गई है। जिसके आगे रस्सा लेकर पुलिस कर्मी हैं। खेरिया मोड़ से ईदगाह तक बाजार बंद हैं। खिड़कियों से भी झांकने की अनुमति नहीं है। शहरवासियों को सलाह दी गई है सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक फतेहाबाद रोड की ओर जाने से बचें।

अमेरिका के उप राष्ट्रपति के आगमन से पहले सुबह 8 बजे से ही इस रूट पर यातायात बंद कर दिया गया था। कैंट स्टेशन की सेकेंड एंट्री भी बंद रही। उप राष्ट्रपति के खेरिया मोड़ से ताजमहल तक के रूट पर सुरक्षाकर्मी ही नजर आ रहे हैं। छतों पर करीब दो दर्जन स्थानों पर स्नाइपर की तैनाती की गई है।

वेंस के स्वागत को दुल्हन की तरह सजी ताजनगरी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस के आगरा आगमन को लेकर नगर निगम ने शहर को सजाने-संवारने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। खेरिया हवाई अड्डे से लेकर ताजमहल के पास स्थित शिल्पग्राम तक पूरे मार्ग को भव्यता के साथ सजाया गया है। रंग-बिरंगे झंडों, आकर्षक सैंड आर्ट, फुटपाथों पर फूलों की सजावट और नवीनतम बेस्ट वंडर आकृतियों ने पूरे मार्ग को एक नई पहचान दी है। शहर के चौराहों पर विशेष सौंदर्यीकरण किया गया है। वहां पर फूलों की आकर्षक कलाकृतियां, लाइटिंग और आधुनिक डिजाइन की सजावट ने वातावरण को जीवंत बना दिया है।

ताजमहल अद्भुत है: वेंस

विजिटर बुक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लिखा कि, ताजमहल अद्भुत है! समय की महानता और भारत के महान इतिहास का प्रतीक है। मुख्य मकबरे में वेंस और उनके परिवार ने पच्चीकारी और वास्तुकला की जानकारी दी गई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति इससे पहले जयपुर पहुंचे थे और उसके पहले दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर में भी दर्शन के लिए पहुंचे थे।

ताजमहल के आसपास से पकड़े बंदर और कुत्ते

आगरा नगर निगम की कुल 9 टीमें ताजमहल और आसपास के क्षेत्र में बेसहारा गोवंश और कुत्ते बंदरों को पकड़ने में जुटी रही। दशहरा घाट, पूर्वी और पश्चिमी गेट क्षेत्रों में सक्रिय हैं। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अजय सिंह ने बताया ताजमहल परिसर के अंदर से कुत्तों को पकड़ने के लिए 2 विशेष टीमें लगाई गई। जबकि बंदरों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए एक मंकी कैचर टीम को दशहरा घाट क्षेत्र में तैनात किया गया है। मंगलवार शाम तक लगभग आधा दर्जन मवेशी, दो दर्जन कुत्ते और 30 से अधिक बंदरों को पकड़ा गया।

सिपाही ने फर्जी अधिकारी बन खाकी को किया शर्मसार

18.70 लाख रुपए, दो लैपटॉप-दो मोबाइल फोन लूटे, 15 घंटे तक व्यापारी को बनाया बंधक

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया

नोएडा। शहर के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में दो व्यापारियों के साथ हुई लूट के मामले में नोएडा पुलिस ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकर्मी ने खुद को विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का अफसर बताकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना में शामिल चार लोग अभी फरार हैं, जिनमें दो लोग कारोबारियों के दोस्त हैं।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन प्रथम राम बदन सिंह ने बताया कि सेक्टर-76 के सिलिकॉन सिटी में रहने वाले अश्विनी से उसके दिल्ली निवासी दोस्त रजत वर्मा 18 अप्रैल की रात मिलने आए थे। अधिकारी के अनुसार इसी दौरान कुछ लोग उनके फ्लैट पर आए तथा खुद को एसटीएफ का अधिकारी बताकर दोनों दोस्तों को बंधक बना लिया और करीब 18.70 लाख रुपए, दो लैपटॉप और दो मोबाइल फोन लूट लिए। पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पता चला कि रजत वर्मा व अश्विनी के कानपुर निवासी दो दोस्तों ने उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त सामान किया बरामद

उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने सिपाही कोमल सिंह यादव निवासी कानपुर और आरोपी आरुष त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया है। कोमल प्रयागराज पुलिस लाइन में तैनात है और एक साल से गैर हाजिर चल रहा है। सिंह ने बताया कि इनके पास से घटना में प्रयुक्त दो कार, 6 लाख रुपए, दो लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं।

अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों शोभित, गौरव, दीपांशु और उत्कर्ष की पुलिस तलाश कर रही है। डीसीपी ने बताया कि जांच में पता चला है कि अश्विनी और रजत ने कुछ दिन पहले दीपांशु व शोभित से वीडियो कॉल पर बात की थी। उन्होंने कहा कि इस दौरान शराब पीते हुए अश्विनी व रजत ने फ्लैट में रखी नकदी दोनों को दिखाई, तभी से दीपांशु व शोभित लूट की साजिश रच रहे थे। रजत का दिल्ली में ज्वेलरी और अश्विनी का टिकट आरक्षण का धंधा है।

कासगंज में गैंगरेप: दरिंदगी का वीडियो बनाकर दोस्तों को बांटा

पिता ने लिखायी प्राथमिकी, पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कासगंज। शहर में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। सहावर में किशोरी के साथ दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और इसका वीडियो बनाकर साथियों को बांट दिया। पीड़िता के पिता ने दोनों आरोपितों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराया है। मामला सहवार क्षेत्र के गांव का है। गांव में 12 अप्रैल को शादी थी। इसमें गांव का ही रहने वाला युवक ने शादी में आई किशोरी को बहला फुसला लिया। उसके साथ दो दिन प्यार भरी बातें कीं। इसके बाद 15 अप्रैल को उसे गांव से कुछ दूर दोपहर में खेत में बुला लिया। वहां किशोरी से वार्ता के दौरान छेड़छाड़ करने लगा। विरोध पर नहीं माना। धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा।

इस पूरी घटना का वीडियो किशोरी के मोहल्ले के रहने वाले युवक ने बना लिया। वीडियो डिलीट करने के एवज में दूसरे युवक ने भी किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बावजूद वीडियो को डिलीट नहीं किया। इतना ही नहीं उसने आरोपित ने वीडियो को अपने दोस्तों को बांट दिया। इसकी जानकारी जब किशोरी के पिता को मिली तो उसने बेटी से इस संबंध में जानकारी ली।

पिता को दी जानकारी

बेटी ने पिता को बताया उसे मिलने के लिए बुलाया था। उसके बाद सुनसान देख उसके साथ दुष्कर्म किया गया। उसके साथी ने इसका वीडियो बना लिया। इसके बाद उसने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। 21 अप्रैल को पीड़िता के पिता ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी दिल्ली में एक फैक्ट्री में कर रहा था काम

पुलिस पूछताछ में दुष्कर्म करने वाले आरोपित ने बताया कि वह इंटरमीडिएट का छात्र था। पिता के साथ दिल्ली में एक फैक्ट्री में काम कर रहा था। दोस्त की बहन की शादी में तीन दिन पहले ही किशोरी से मुलाकात हुई थी। सहावर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवेश राणा ने बताया कि पीड़िता की पिता की तहरीर पर दोनों के खिलाफ दुष्कर्म का अभियोग पंजीकृत किया गया है। दोनों आरोपितों को प्राथमिकी दर्ज होने के चंद घंटों बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों की डीएनए टेस्ट कराया जा रहा है। पीड़िता को दर्द की शिकायत पर सोमवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है।

दोनों का हो रहा डीएनए टेस्ट

पुलिस ने दोनों आरोपितों का डीएनए टेस्ट करा रही है। मंगलवार को दोनों आरोपितों को पुलिस जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उनको डीएनए टेस्ट के लिए नाखून, खून आदि के नमूने लिए गए। पुलिस इनको जांच के लिए प्रयोगशाला भेजेगी।

आतंकवादियों की हरकत से दुख और गुस्से में कानपुरवासी

दुख और आक्रोश के साथ मृतकों को दी श्रंद्धाजलि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रामेष्ट धाम केशव मधुवन वाटिका में ग़म व गुस्से के साथ महासचिव राजेन्द्र अवस्थी ने समिति के सदस्यों के साथ पहलगाम में मजहबी आतंकवादियों की कायराना हमले में कानपुर के शुभम द्विवेदी के साथ 26 मारे गए हिन्दू पर्यटकों की आत्मा की शांति एवं परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करने हेतु दो मिनट का मौन के साथ शोक सभा आयोजित की गई।

राजेन्द्र अवस्थी आक्रोशित होते हुए कहा कि आज हमे अपने ही देश में जाति और धर्म पूछ कर आतंकवादियों का शिकार होना पड़ रहा है।आतंकवादी आयतें पढ़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं नहीं तो गोली मार रहे हैं। आतंकवादियों के इतने हौसले बढ़ गए हैं कि वह भारत जैसे बड़े देश के प्रधान मंत्री माननीय मोदी को धमकी दे रहे हैं। हम प्रधानमंत्री से विनम्र आग्रह करते है कि आतंकवादियों के कुत्सित प्रयास को मजबूती से कुचलते हुए इसको जड़ से समाप्त करने की दिशा में अविलंब आवश्यक कारवाही प्रारंभ करें।

श्याम बिहारी शर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है कि जब हम सबको एक होकर आतंकवादियों एवं देश में छुपे गद्दारों से लड़ने में सरकार का मजबूती से साथ देना है। तभी देश सुरक्षित रहेगा।

वायु सेना से सेवानिवृत एवं सैनिक प्रकोष्ठ के सहप्रभारी राधा कृष्ण त्रिपाठी ने इस कायराना हमले की निंदा करते हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक कारवाही करने के लिए सरकार से अनुरोध किया तथा दोषियों को शीघ्र कड़ी सजा मिले जो नजीर बन सके।शोक सभा में राजेन्द्र अवस्थी, श्याम बिहारी शर्मा, राधा कृष्ण त्रिपाठी, राम प्रकाश पाण्डेय, कृष्ण मुरारी शुक्ला, शालिग राम शर्मा, बी के तिवारी, डॉ चन्द्र भूषण गौड़,पंकज अग्रवाल, राजेश त्रिवेदी,राजू निगम,विशाल टंडन, रोजी भसीन, किशोर कुमार,तपन त्रिपाठी सीमा शुक्ला,ओम प्रकाश गौतम आदि प्रमुखरूप से उपस्थित रहे।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला

कानपुर के शुभम की मौत, लोगों में आक्रोश, कल आएगा पार्थिव शरीर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 27 लोगों की जान चली गई। जिसमें एक कानपुर का भी युवक शुभम द्विवेदी शामिल था। शुभम के महाराजपुर स्थित घर में सुबह से ही डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, डीसीपी पूर्वी एसके सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत तमाम लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। मृतक के पीड़ित परिजनों को ढाढ़स बंधा रहे है।

बता दें कि, शुभम की शादी 12 फरवरी 2025 में ही हुई थी। आतंकियों ने उनसे नाम पूछने के बाद फिर गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। बुधवार को उनके पैतृक आवास हाथीपुर में उनके चाचा ज्योतिषाचार्य मनोज द्विवेदी से मिलकर परिवार को सांत्वना दी। साथ ही सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। बताया जा रहा है कि शुभम का पार्थिव शरीर कल कानपुर पहुंचा। उनका अंतिम-संस्कार ड्योढ़ी घाट में किया जाएगा। इस घटना से पीड़ित परिजनों के साथ लोगों में भी आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि भारत सरकार इस जघन्य आतंकी हमले का माकूल जवाब दे। दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाए। जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, अनूप अवस्थी वीरेंद्र तिवारी ने भी अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। उनका कहना है कि हम सभी शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

आतंकी घटना के विरोध में अयोध्या चौक के व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या।कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुई आतंकी घटना के विरोध में अयोध्या के चौक क्षेत्र के व्यापारियों ने बुधवार को अपनी दुकानें बंद रखीं।

इस आत्मघाती हमले में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया था, जिससे स्थानीय व्यापारिक समुदाय में गहरा आक्रोश देखा गया।

व्यापारियों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन में शरद वैश्य, अशोक बेदी, अवि आनंद, उमेश गुप्ता, योगेश, संपूर्ण यादव, कमल कौशल, विनोद चौरसिया, अरविंद साहू, गोलू कौशल और अमीरचंद जायसवाल सहित सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आतंक की घटनाएं देश की एकता और शांति के लिए खतरा हैं और इससे देश का हर नागरिक आहत है। उन्होंने सरकार से आतंकियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की।

स्कूलों की समय सारणी बदलने से 'शिक्षक न घर के रहे न घाट के'

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सरकार ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए सरकारी स्कूलों के टाइम टेबल में बदलाव करने के निर्देश दिए थे बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने बुधवार से जनपद के सभी निजी और सरकारी स्कूल का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कर दिया लेकिन शिक्षकों, अनुदेशकों, शिक्षामित्रों, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों एवं अन्य सभी स्टाफ को अपराह्न 1:30 बजे तक विद्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर विद्यालयी कार्य करने के निर्देश दिया है।

टाइम टेबल में बदलाव का सरकारी स्कूलों पर खास असर नहीं, अभी भी गर्मी में तपेंगे बच्चे

बीएसए ने शिक्षकों को न घर का छोड़ा, न घाट का। बीएसए को शायद ऐसा लगता है कि शिक्षकों को गर्मी लगती ही नहीं है। दरअसल यूपी में ताबड़तोड़ गर्मी का तांडव जारी है महानिदेशक ने बीएसए को अपने स्तर से स्कूल के समय में परिवर्तन करने के निर्देश दिए हैं।

पहले गर्मी में सरकारी स्कूलों को सुबह 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक संचालित करने का आदेश दिया था, प्रचंड गर्मी के कारण विभिन्न शिक्षक संगठनों की ओर से इसका विरोध किया गया। कानपुर देहात समेत कई जिलों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार हो चुका है ऐसे में गर्मी के कारण स्कूली बच्चों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इन तमाम मामलों को देखते हुए शिक्षा विभाग ने बुधवार से सुबह 7:30 से 12:30 तक स्कूल संचालित करने का निर्देश दिया है लेकिन सिर्फ कानपुर देहात जनपद के बीएसए ने शिक्षकों को 1:30 बजे तक स्कूल में रुकने का फरमान जारी किया है जबकि अन्य किसी जनपद में ऐसा आदेश जारी नहीं किया गया है। बच्चों एवं शिक्षकों के लिए एक ही समय सारणी निर्धारित की गई है। उन्हें 1:30 बजे तक स्कूल में रुकने का आदेश दिया गया है, कुल मिलाकर देखा जाए तो सरकारी स्कूलों में समय सारणी बदलाव करने के बावजूद कोई खास असर देखने को नहीं मिला रहा है क्योंकि शिक्षकों को आधा घंटा पहले स्कूल आना होगा और 1:30 बजे तक स्कूल में रुकना भी होगा।

अबोध बालक घर के बाहर से लापता

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिल्टी में कृष्णा उर्फ़ बन्टां पुत्र दशरथ उम्र 15 वर्षीय जो मानसिक रूप से विक्षिप्त था और वह ठीक से बोल भी नहीं पाता है। वह कहीं लापता हो गया है ,नानी , मामा ,नाना व मां के द्वारा बहुत ढूंढा गया, लेकिन कहीं नहीं मिला, जिसको लेकर मां के द्वारा गजनेर थाने पर गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई और गजनेर पुलिस से तलाश करने की गुहार लगाई। कृष्णा अपने नानी नाना के यहां अपने माता के साथ आया था, मां अपने मायके में मजदूरी करने के लिए आई थी, 17 तारीख को शाम को घर के बाहर कहीं घूमने निकला था , जब बहुत देर हो गई, तो मां को चिंता होने लगी , तो इधर-उधर खोजा तो कहीं नहीं मिला, तो मां को चिंता होने लगी जोर जोर से रोने लगी , जब और ढूंढने पर नहीं मिला गजनेर थाना पर जाकर गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई ,और गजनेर पुलिस से अपने पुत्र की खोजबिन करने की अपील की। गजनेर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 104/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत कार्रवाई कर अबोध बालक की तलाश करने में जुट गई।

वही इस संबंध में गजनेर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव से दूर भाषा केंद्र से वार्तालाप किया तो बताया कि गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज के लिए गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अरविंद मिश्रा संभालेंगे कानपुर देहात पुलिस की कमान

» कानपुर देहात जैसे महत्वपूर्ण जिले की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी

» 2015 बैच के आईपीएस अफसर अरविंद मिश्रा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात में अब नए पुलिस अधीक्षक के रूप में अरविंद मिश्रा ने कमान संभाल ली है। तेजतर्रार छवि वाले अरविंद मिश्रा इससे पहले उत्तर प्रदेश विद्युत पावर कारपोरेशन में अपनी सेवाएं दे रहे ये आईपीएस अफसर जौनपुर की मिट्टी से निकले आए हैं। जहां उन्होंने विद्युत सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब कानपुर देहात जैसे जनपद में महत्वपूर्ण जिले की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी,जहां उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

माना जा रहा है कि उनके अनुभव और कार्यशैली से जनपद की पुलिसिंग और अधिक प्रभावी होगी। वहीं, कानपुर देहात के निवर्तमान पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति को अब झांसी का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

अपने कार्यकाल के दौरान श्री मूर्ति ने कानपुर देहात में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। अब उन्हें झांसी जैसे बड़े जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां उनसे और भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

यह प्रशासनिक फेरबदल उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में उच्च स्तर पर किए गए तबादलों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न जिलों में पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाना है। इस बदलाव से कानपुर देहात जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा मिलने की संभावना है।

आईपीएस मूर्ति बने झांसी शहर के एसएसपी

वर्ष 2015 बैंच के चर्चित आईपीएस अफसर बीबीजीटीएस मूर्ति को झांसी जैसे बड़े जनपद का नया एसएसपी बनाकर भेजा गया है।बता दें कि बीबीजीटीएस मूर्ति ने यहां बतौर एसपी दो साल तीन माह और नौ दिन की लंबी पारी खेली।इसके बाद उन्हें झांसी एसएसपी के तौर पर भेजा जा रहा है, जमीनी स्तर की पुलिसिंग के लिए चर्चित एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने 14 जानवरी 2023 को जिले में दस्तक देने के बाद कानून-व्यवस्था की कामना थामी और तमाम चुनौतियों का उन्होंने डटकर सामना किया। तबादले के बाद एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने कहा कि अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों,वरिष्ठ अधिकारियों,जनपद वासियों,पत्रकार बंधुओं सभी का साथ और सहयोग के लिए हमेशा आभारी रहूंगा।विशेष तौर पर कानपुर देहात की जनता को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने कमद कमद पर प्रोत्साहित किया।

यहाँ जनहित में कार्य करना मुझे बहुत अच्छा लगा और यहां के लोग व यादें हमेशा मेरी स्मृतियों में बनी रहेगी।

कानपुर देहात जिले के नवनियुक्त कप्तान अरविंद मिश्रा

आग से 16 किसानों की गेहूं की फसल हुई खाक

30 बीघा से अधिक गेहूं की फसल जलकर हुई राख,किसान परिवार हुए बर्बाद

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। माती गजनेर थाना क्षेत्र के खनपना गांव में गेहूं की खड़ी फसल में आग लग जाने 18 किसानों की करीब तीस बीघे फसल जलकर राख हो गई ।आग से हार्वेस्टर से कट चुकी 16 बीघे फसल अवशेष भी जलकर नष्ट हो गई।आग इतनी विकराल थी की बीच में पड़ने वाले रजबहे को पार कर दूसरी ओर पहुंच गई।सूचना पर घटना के करीब एक घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड ने सुलगती आग को बुझाया।फायर ब्रिगेड में पानी खत्म हो जाने से दूसरी गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया।सूचना पर मौके पर पहुंचे लेखपाल ने खेत खेत जाकर नुकसान का आकलन किया। दोपहर ग्यारह बजे रूपपुर गांव निवासी किसान प्रताप सिंह के साथ बीघे हार्वेस्टर से कट चुकी गेहूं के खेत में पड़े फसल अवशेष में अचानक आग लग गई।तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया।आग से महेश सिंह के तीन बीघे फसल अवशेष को भी गिरफ्त में लिया।आग की तेज लपटे करीब पच्चीस फुट चौड़े रजबहे से पार होकर खनपना गांव की ओर बड़ गई। आग से रवि प्रताप सिंह की 4 बीघा,सुषमा पत्नी चंद्र पाल की दोबीघा,नागेंद्र सिंह की पांच बीघा, भीम सिंह की तीन बीघा,जागेश्वर व सीताराम की एक एक बीघा,सरोजनी देवी की एक बीघा तीन विश्वा,अर्जुन सिंह की डेड बीघा,ज्ञान सिंह का दस विश्वा,सुरेंद्र सिंह का 10 विश्वा,छत्रपाल सिंह का 12 बीघा, निर भान सिंह का सात बीघा,वीरेंद्र सिंह व भगवती सिंह का एक एक बीघा,राजा राम का 15 विश्वा गेहूं की खड़ी फसल जलकर नष्ट हो गई।आग से करुणा पत्नी गोविंद का खेत में पड़ा 20 क्विंटल भूसा भी जलकर नष्ट हो गया।आग की जानकारी मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर इकट्ठा होकर आग बुझाने में जुट गए।लेकिन तेज हवाओं की वजह से आग को नियंत्रित करने में असुविधा हो रही थी।सूचना के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाने का प्रयास किया।करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। राजस्व की टीम मौके पर पहुंच कर नुकसान का आकलन किया। वहीं लेखपाल ने बताया कि 16 किसने के गेहूं की फसल जली है लगभग 30 बीघा जो हमने शासन को रिपोर्ट बनाकर भेज दिया है।

सिलेंडर से लगी आग, मां सहित 2 बच्चों की दर्दनाक मौत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। एलपीजी गैस रिसाव के चलते छप्परनुमा मकान में लगी आग की चपेट में आने से माँ और दो मासूम बेटियों की जलकर मौत हो गयी तथा पति व एक पुत्र गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से गांव में ग़म का माहौल है।

» सिलेंडर पर खाना बनाते समय हुआ हादसा, घटना से गम में डूबा गांव

क्षेत्र के ग्राम पूरेजबर निवासी राजमल विश्वकर्मा की 35 वर्षीय पत्नी पिंकी मंगलवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे अपने छप्परनुमा मकान मे छोटे गैस सिलेंडर पर खाना बना रही थी कि अचानक सिलेंडर से आग लग गयी और देखते ही देखते पूरा छप्पर आग का गोला बन गया चीख पुकार सुनकर पति राजमल दौड़ा और आग में फंसी अपनी पत्नी पिंकी व 4 वर्षीय पुत्री शिवानी व 8 माह की बच्ची प्रियांशी तथा 2 वर्षीय बेटे को बचाने की कोशिश किया लेकिन उसकी पत्नी व दो मासूम पुत्रियों की जलकर मौत हो गयी। जबकि कड़ी मशक्कत कर अपने 2 वर्षीय बेटे ओमकार को बचाने में कामयाब रहा हालांकि पिता और पुत्र भी झुलसे है। जिन्हे एम्बुलैंस से जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है ग्रामीण आग को बुझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन आग बुझा नही सके मौक़े पर पहुंची फायर विग्रेड की गाडी ने आग पर काबू पाया।

अग्निकांड मे 3 की मौत की सूचना पर पहुंची क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत व प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया।

पति लापता, पत्नी ने एसपी से लगाई मदद की गुहार

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। लोनी कटरा थाना इलाके के शदरुद्दीनपुर कलिका पुरवा निवासिनी विनीता वर्मा पत्नी सर्वेश कुमार वर्मा ने बाराबंकी पुलिस कप्तान को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति सर्वेश कुमार वर्मा बीती 10 मार्च 2025 को संदिग्ध परिस्थितियों में सुबह 05 बजे घर से लापता हो गए। काफी खोजबीन करने के बाद जब पति का कोई सुराग नहीं लगा तो पीड़िता ने लोनी कटरा थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। आगे पीड़िता ने बताया कि घर के आसपास के लोगों से जानकारी हुई कि बछरावां थाना क्षेत्र के कसरावां निवासी कौशल किशोर की पत्नी 10 मार्च की सुबह उनके घर के आसपास देखी गई थी।

पीड़िता ने शक जताया है कि उनके पति उक्त महिला के साथ गायब हैं। पीड़िता बताती हैं कि उनके पति घर से 50 हजार की नगदी और जेवरात लेकर फरार हैं। पीड़िता की समस्या सुनने के बाद बाराबंकी पुलिस अधीक्षक ने उन्हें कार्यवाही का आश्वासन दिया है। वहीं पीड़िता ने बताया कि एक महीने से अधिक समय होने के बाद भी लोनी कटरा पुलिस ने अबतक उक्त मामले में कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की है इस दौरान उनके पति के साथ किसी प्रकार की कोई भी अनहोनी हो सकती है। आगे पीड़िता ने बताया कि उनके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं जिनकी परवरिश में भी समस्या हो रही है पीड़िता की सास ने उसे राशन पानी देना बंद कर दिया है जिससे वीरता और बच्चों के भोजन का भी संकट आन पड़ा है। दूरभाष पर हमारे संवाददाता ने लोनी कटरा थाना प्रभारी निरीक्षक से बात की तो उन्होंने बताया पीड़िता के प्रार्थना पत्र के आधार पर गुमशुदगी दर्जकर जांच की जा रही है। ऐसे में सवाल यह है कि एक महीने से अधिक समय से गायब शैलेंद्र का अब तक पुलिस कोई पता नहीं लगा सकी है और पीड़िता नौनिहाल बच्चों के साथ इधर-उधर भटकने को मजबूर है अब देखना यह है कि पीड़िता को समय रहते कहां तक न्याय मिल पाता है ?

खाद की दुकानों पर जिला कृषि अधिकारी का छापा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जिला कृषि अधिकारी राजितराम ने तहसील रामनगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सूरतगंज, सुढ़ियामऊ और मीरपुर में 9 बीज-उर्वरक बिक्री केंद्रों की जांच की।

साधन सहकारी समिति सुढ़ियामऊ में 2000 बोरी यूरिया का स्टॉक मिला। समिति के सचिव ने बताया कि डीएपी की मांग की गई है। यहां स्टॉक का पीओएस मशीन और अभिलेखों से मिलान किया गया। सभी रिकॉर्ड सही पाए गए।

जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं। उमेश ट्रेडर्स बिलौली, स्टार फर्टिलाइजर्स मीरपुर और जायसवाल पेस्टीसाइड सुढ़ियामऊ के अभिलेख अधूरे थे। आर्या ट्रेडर्स/अंकित ट्रेडर्स और मां ललिता किसान सेवा केंद्र सुढ़ियामऊ बंद मिले। इन सभी 5 विक्रेताओं का बीज–उर्वरक विक्रय लाइसेंस निलंबित कर दिया गया।

कृषि अधिकारी ने सभी विक्रेताओं को कड़े निर्देश दिए। उन्हें अपनी दुकानों पर रेट और स्टॉक बोर्ड लगाना अनिवार्य किया गया। साथ ही किसानों को कैश मेमो या रसीद देना भी जरूरी होगा।

प्रॉपर्टी विवाद में भाई ने बहन पर किया ईंट से हमला

हमले का वीडियो हुआ वायरल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। रामनगर में प्रॉपर्टी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

मंगलवार देर रात मोहल्ला धमेड़ी 3 में एक भाई ने अपनी बहन पर ईंट से हमला कर दिया। घटना का वीडियो सामने आया है। रामनगर के मोहल्ला नंबर एक के रहने वाले विनोद ने अपनी पत्नी के साथ बहन सुनीता के घर पहुंचकर हमला किया। इस दौरान सुनीता को ईंट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

घायल सुनीता को परिजन जिला अस्पताल बाराबंकी ले गए।स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच प्रॉपर्टी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

इससे पहले भी कई बार झड़पें हो चुकी हैं। पुलिस ने पहले धारा 151 के तहत कार्रवाई की थी। लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 7310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई०सी०यू०/सी०सी०यू०।
- वेंटीलेटर, ए०वी०जी०ए०, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:– ए०बी०जी०ए० मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्ण्ब्ण्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.
डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

रक्षा मंत्रालय में हुई अहम बैठक, भारत की प्रतिक्रिया पर की चर्चा

करारा देंगे जवाब: गृहमंत्री

कश्मीर में हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए गृह मंत्री अमित शाह।

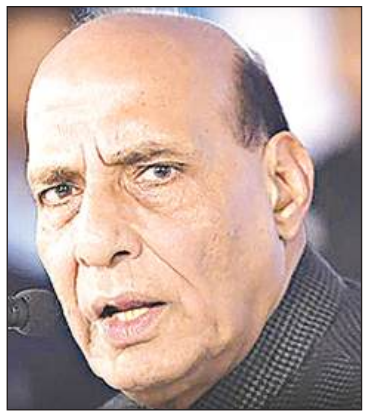

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली/श्रीनगर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय में अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सीडीएस अनिल चौहान और एनएसए अजित डोभाल भी शामिल हुए। इनके अलावा बैठक में थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया पर चर्चा हुई। बैठक में जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के हालात पर भी बात हुई और रक्षा मंत्री ने सुरक्षा इंतजाम कड़े करने के निर्देश दिए। जिस जगह हमला हुआ, उसके आसपास भी सैनिकों की तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जल्द से जल्द हमलावरों को पकड़ा जा सके। बुधवार शाम छह बजे सुरक्षा मामलों की केंद्रीय समिति की बैठक होनी है। रक्षा मंत्री की बैठक में सीसीएस की बैठक को लेकर भी चर्चा हुई। यह बैठक करीब तीन घंटे चली। मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले से वे बेहद व्यथित हैं। मासूम नागरिकों पर यह कायराना हमला है। मासूम नागरिकों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पर्यटकों पर 25 साल का सबसे बड़ा हमला

जम्मू कश्मीर के पहलगाम के बैसारन इलाके में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चार से पांच आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें कलमा पढ़ने के लिए भी कहा गया, जिससे उनके धर्म की पहचान हो सके। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली है। पहलगाम का आतंकी हमला बीते 25 साल में पर्यटकों पर हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला बताया जा रहा है। हमले की सूचना मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देर रात ही जम्मू कश्मीर के लिए रवाना हो गए थे और बुधवार सुबह उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपना सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़कर ही वापस भारत लौट चुके हैं।

अमेरिकन एम-4 कारबाइन से चलाईं सत्तर गोलियां

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हमले में आतंकियों ने बेरहमी से 50-70 राउंड गोलियां चलाईं, जिसमें 28 लोग मारे गए, जिनमें दो विदेशी पर्यटक भी शामिल थे। प्रारंभिक जांच से खुलासा हुआ है कि हमले में चार आतंकियों ने हिस्सा लिया, जो कैमोफ्लाज वर्दी में थे। ये आतंकी बाइसारन मीडो के पास पहुंचे और वहां मौजूद पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जांच में यह भी पता चला कि आतंकियों ने अमेरिका में बने एम-4 कारबाइन असॉल्ट राइफल्स और एके-47 का इस्तेमाल किया। कई पीड़ितों को सीधे सिर में गोली मारी गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल से अब तक 50-70 खोखे (कारतूस) बरामद किए गए हैं, जो हमले की भयावहता को दर्शाते हैं। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार शाम तक जांच जारी थी, और अब तक की जानकारी के आधार पर केंद्र सरकार ने फैसला लिया है कि इस मामले की जांच जम्मू-कश्मीर पुलिस से हटाकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी जाएगी। एनआईए अब पीड़ितों और चश्मदीदों के बयान दर्ज करने के बाद जांच को आगे बढ़ाएगी।

अमेरिका से हथियार खरीद आतंकियों को दे रहा पाक

पहलगाम हमले में एम-4 कारबाइन के इस्तेमाल ने एक बड़े सवाल को जन्म दिया है–आखिर ये हथियार आतंकियों तक कैसे पहुंचे? एम-4 कारबाइन एक अत्याधुनिक असॉल्ट राइफल है, जो मुख्य रूप से अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल की जाती है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका से कई सैन्य हथियार खरीदे हैं, जिनमें एम-4 कारबाइन भी शामिल है। संदेह जताया जा रहा है कि पाकिस्तान इन हथियारों को आतंकी संगठनों, जैसे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा, को सप्लाई कर रहा है।

सैफुल्लाह कसूरी है हमले का संदिग्ध मास्टरमाइंड

इस हमले की साजिश लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक वरिष्ठ आतंकवादी सैफुल्लाह कसूरी ने रची थी। सैफुल्लाह कसूरी को खालिद के नाम से भी जाना जाता है। खुफिया अधिकारियों ने उसे लोकप्रिय बैसरन मैदान में अनजान पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए हमले के पीछे मुख्य योजनाकार के रूप में पहचाना है। इस हमले के बाद राष्ट्रीय शोक की स्थिति है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि सैफुल्लाह कसूरी लश्कर का एक उच्च पदस्थ कमांडर है, जो समूह के संस्थापक हाफिज सईद के सीधे संरक्षण में काम करता था। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला एक सुनियोजित योजना के संकेत देता है, जिसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बैठे आकाओं के समर्थन से अंजाम दिया गया।

सैफुल्लाह कसूरी, एक पाकिस्तानी नागरिक, कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा के

मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी

पदानुक्रम में एक अनुभवी व्यक्ति है और कहा जाता है कि वह कई सीमा पार आतंकी अभियानों की साजिश रचकर रैंक में ऊपर चढ़ा है। खालिद के नाम से भारतीय खुफिया हलकों में जाने जाने वाले कसूरी को लश्कर के सबसे भरोसेमंद फील्ड कमांडरों में से एक माना जाता है। खुफिया एजेंसियों का दावा है कि वह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार घुसपैठ के अभियानों को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिससे जम्मू और कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्रों में आतंकवादियों को तैनात करने में मदद मिली है। माना जाता है कि वह पीओके के भीतर से काम करता है और उस पर घाटी में सक्रिय लश्कर के प्रॉक्सी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के स्थानीय मॉड्यूल की देखरेख करने का संदेह है।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कश्मीर बंद

22 अप्रैल 2025 को कश्मीर और भारत के इतिहास में एक काले दिन के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। एक भयावह घटना में, पहलगाम में पर्यटकों को आतंकवादियों के एक समूह ने आकर्षित किया। हिंसा के इस अमानवीय कृत्य ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए। यह घटना जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के पास खूबसूरत बैसरन घाटी में हुई। इसकी निंदा करने के लिए, आतंकवाद के खिलाफ एकता का मजबूत प्रदर्शन करने के लिए जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 23 अप्रैल (बुधवार) को कश्मीर बंद का आह्वान किया है। जेकेएनसी ने लोगों से इसे पूरी तरह सफल बनाने की अपील की है। पार्टी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि बंद सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि इस तरह की हिंसा के खिलाफ आक्रोश की अभिव्यक्ति है।

ये हमारे कश्मीर के मेहमान हैं, मत मारो

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देशभर में गुस्सा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब तक कई सारी दर्दनाक कहानियां सामने आई। बताया गया कि आर्मी/पुलिस की यूनिफॉर्म पहने 5 आतंकी घास के मैदान में घुसे और गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों ने धर्म पूछकर पुरुषों को ही निशाना बनाया। घायल एक महिला की माने तो उनके पति को इसलिए मारा गया क्योंकि वे मुसलमान नहीं थे। हमले में मारे गए कर्नाटक के मंजूनाथ की पत्नी ने बताया कि जब उन्होंने आतंकियों से बोला कि मुझे भी मार दो, तब आतंकी बोला कि तुम्हें नहीं मारेंगे, जाओ मोदी को बता दो। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है। यह पर्यटकों पर 25 साल का सबसे बड़ा आतंकी हमला है।

कलमा पढ़ने के लिए बोला गया, नाम और धर्म पूछा गया फिर आतंकियों द्वारा गोली मारे जाने की पहलगाम से कई घटनाओं को आप अब तक जान चुके होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि पहलगाम के बैसरन इलाके में पर्यटकों पर हुए हमले में जान गंवाने वाले में एक मुसलमान भी शामिल है। पहलगाम में हुए अटैक में स्थानीय घुड़सवार सैयद हुसैन शाह की जान चली गई। वे पर्यटकों को बचाने की कोशिश कर रहे थे। सैयद हुसैन शाह, जो पर्यटकों के साथ घोड़े पर सवार थे। उन्होंने कथित तौर पर हमलावरों को रोकने की कोशिश की। उन्होंने हमलावरों से विनती करते हुए कहा कि पर्यटक निर्दोष हैं। कश्मीरियों के मेहमान हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

नरसंहार को जय श्रीराम बुलवाने और लिंचिंग से जोड़ा, अरेस्ट

दमोह। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर जहां पूरा देश दुखी है तो कुछ जहरीले कट्टरपंथी इसे नफरत फैलाने के मौके के रूप में देख रहे हैं। मध्य प्रदेश के दमोह में ऐसे दो युवकों वसीम खान और तनवीर कुरैशी को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इन्होंने हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी की थी।

पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ ऐक्शन लिया है। दमोह पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 (2), 196, 299 और 3 (5) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि ऐसी भड़काऊ बातों से सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका होती है। वसीम खान ने विवादित पोस्ट में पहलगाम में हुए नरसंहार की तुलना मुसलमानों से जबरन जय श्रीराम बुलवाने और लिंचिंग की घटनाओं से करते हुए कहा था कि दोनों में किसी तरह का अंतर नहीं है। तनवीर ने वसीम के पोस्ट का समर्थन करते हुए इस पर टिप्पणी की थी।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि वसीम खान और तनवीर कुरैशी ने यह पोस्ट किस मकसद से डाली थी, किसके कहने पर ऐसा किया था। यह भी जांच की जा रही है कि जिन सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट की गई थी उन्हें यही चला रहे थे या कोई और ऑपरेट कर रहा था।

घायलों का इलाज अच्छे अस्पताल में हो-सपा प्रमुख

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए इस घातक आंतकी हमले की कड़ी निंदा की उन्होंने कहा इस भयावह हमले की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं ये हमला हर दृष्टि से निंदनीय हैं उन्होंने घायलों के शीघ्र उपचार के लिए देश की सबसे अच्छी चिकित्सा सुविधाओं की मांग की साथ ही केंद्र सरकार कको सबसे पहले सुरक्षा के वातावरण को सुनिश्चित करने की बात कही तभी स्थानीय निवासियों और पर्यटकों का जीवन सुरक्षित होगा।

युवक ने किया पोस्ट: थैंक्यू पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के समर्थन में एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। युवक ने विवादित पोस्ट में थैंक्यू पाकिस्तान, थैंक्यू लश्कर-ए-तैयबा लिखा था। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस एक्शन में आई और तुरंत युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान नौशाद के रूप में हुई है।